ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ - 4

प्रियतम

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

२.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) नारदजी बिष्णु जी के पास क्यों गए?

नारद जी विष्णु जी के परम भक्त थे।वे विष्णु जी के पास यह जानने के लिए गए कि मृत्यु लोक में उनका परम भक्त कौन है। नारद जी का उद्देश्य यह था कि वे मृत्यु लोक में भगवान विष्णुके परम भक्तकी परीक्षा लेना चाहते थे और यह जानना चाहते थे कि क्या मृत्यु लोक में भी भगवान के सबसे प्रिय भक्त है।

ख) किसान की दिनचर्या कैसी थी?

किसान पूरे दिन अपने कार्यों में व्यस्त रहता था। उसके पास इतना समय भी नहीं बचता था कि वह भगवान की पूजा कर सके। वह तो किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले तथा समाप्त करने पर मात्र भगवान का नाम लेता था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ग) क्या किसान दिन - रात भगवान की पूजा करता था?

नहीं किसान दिन रात भगवान की पूजा नहीं करता था।वह अपने किम मेंवह अपने काम में दिन भर रहता था। फुरसत मिलने पर दिन में तीन बार भगवान का नाम स्मरण करता था।

घ) नारद जी ने विष्णुलोक जाकर विष्णु जी से क्या कहा?

नारद जी किसान को और उसके दिनचर्या को देख ने के बाद नारद जी विष्णुलोक जाकर विष्णु जी से कहते हैं कि किसाना दिन में तीन बार ही उसने भगवान को याद करके आपका नाम लिया।

ङ) विष्णु जी ने नारद को कौन- सा काम सौंपा?

नारद के मन में किसान के प्रति उत्पन्न जिज्ञासा को भगवान विष्णु ने तुरंत इसलिए नहीं शांत किया क्योंकि वे जानते थे कि बिना परीक्षा के इस समय नारद कोई भी बात मानने वाले नहीं हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) विष्णु जी ने नारद जी की शंका का समाधान कैसे किया?क्या नारद जी विष्णु जी के बातों से सहमत थे?

विष्णु जी नारद जी की शंका का समाधान करने के लिए तेल से भरे बर्तन को लेकर भूमंडल की परिक्रमा करने का कार्य सौंपा।नारद जी बिना एक तेल गिराएपरिक्रमा करके वापस तो आ गए परंतु इस कार्य में नारद जी इतने व्यस्त थे कि वे भगवान का नाम लेना भूल गए यही सच्चाई विष्णु जी नारद को समझाई।नारद जी भी विष्णु की बातों से सहमत हो गए।

ख) इस कविता का क्या संदेश है?

इस कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें सही कार्य करना चाहिए क्यों कि परिश्रम और सच्चे मन से किए गए कार्यों से ही भलाई होती है परंतु ईश्वर को नहीं भूलाना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow